



Download
UPPSC/UPPCS
Mains 2019
Optional
Exam Question Paper

“Sanskrit Literature (Paper-2)”

“Held on 26-09-2020”

Serial No.

No. of Printed Pages : 4

GLPC - 34/19-Paper-II
संस्कृत साहित्य (प्रश्न-पत्र - II)
SANSKRIT LITERATURE (Paper - II)

निर्धारित समय : तीन घंटे]

Time Allowed : Three Hours]

[अधिकतम अंक : 200

[Maximum Marks : 200

- विशेष अनुदेश : (i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
(ii) प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं ।

- Specific Instructions :** (i) Attempt any five questions.
(ii) Marks allotted to each question are indicated against it.

खण्ड - अ / SECTION - A

1. अधोलिखित में से किन्हीं दो की संस्कृत में व्याख्या कीजिए तथा सभी रेखाङ्कित पदों में विग्रहपूर्वक समास निर्देश कीजिए : (20+20=40)

Explain any two of the following in Sanskrit and expound and name the compound in all underlined words :

- (a) अजनि जनितपृथ्वीमण्डलोत्पादकम्पं
किमपि चलितशैलं द्वन्द्वयुद्धं तयोस्तत् ।
स्खलिततुरगवेगो विस्मयेनैष यस्मिन्
दिनपतिरपि शौर्याश्चर्यसाक्षी बभूव ॥
- (b) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं
हितात्र यः संश्रुणुते स किंप्रभुः ।
सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं
नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ॥

- (c) वक्रः पन्था यदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशां
सौधोत्सङ्गप्रणयविमुखो मा मम भूरुज्जयिन्याः ।
विद्युद्दामस्फुरितचकितैस्तत्र पीराङ्गनानां
लोलापाङ्गैर्यदि न रमसे लोचनैर्वञ्जितोऽसि ॥
- (d) इयं हि खड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पारिजातपल्लवेष्व्यो रागम्,
इन्द्रशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चैःश्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्, मदिराया मदम्,
कौस्तुभमणेनैष्टुर्यम्, इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद् विरहविनोदचिह्नानि ग्रहीत्वैवाद्गता ।

खण्ड - ब/SECTION - B

2. निम्नाङ्कित श्लोकों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :
Translate the following verses into Hindi or English :

- (a) यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।
श्यामाकमुष्टि परिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

15

अथवा/OR

- करकमलवितीर्णैरम्बुनीवारशष्पै-
स्तरुशकुनिकुरङ्गान् मैथिली यानपुष्यत् ।
भवति मम विकारस्तेषु दृष्टेषु कोऽपि
द्रव इव हृदयस्य प्रस्रवोद्भेदयोग्यः ॥
- (b) किं त्वं भयेन परिवर्तितसौकुमार्या
नृत्य प्रयोगविशदौ चरणौ क्षिपन्ती ।
उद्विग्न चञ्चलकटाक्षविसृष्टदृष्टि-
व्याघ्रानुसारचकिता हरिणीव यासि ॥

15

अथवा/OR

- यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना-
माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः ।
तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु ॥



(c) इदं विश्वं पाल्यं विधिवदभियुक्तेन मनसा 10

प्रियाशोको जीवं कुसुममिव धर्मो ग्लपयति ।

स्वयं कृत्वा त्यागं विलपनविनोदोऽप्यसुलभ-

स्तदद्याप्युच्छ्वासो भवति ननु लाभो हि रुदितम् ॥

अनि + अधुलशः

त्य + अध्या अपि + उपलक्षणः
तु

अथवा/OR

कामं प्रदोषतिमिरेण न दृश्यसे त्वं

सौदामिनीव जलदोदरसन्धिलीना ।

त्वां सूचयिष्यति तु माल्यसमुद्भवोऽयं

गन्धश्च भीरु ! मुखराणि च नूपुराणि ॥

3. निम्नलिखित पर लघु निबन्ध लिखिए :

Write short essay on the following :

(a) 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए ।

15

Highlight the significance of Fourth act of 'Abhijnana Shakuntalam'.

(b) 'उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' इस कथन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए ।

15

Write a critical analysis of the statement of 'उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' ।

(c) 'प्रतिमा नाटकम्' के प्रथम अङ्क का सारांश अपनी भाषा में लिखिए ।

10

Write a summary of the first Act of 'Pratima Natakam' by your own language.

खण्ड - क/SECTION - C

4. अधोलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on the following :

(a) कथा

15

(b) कार्यावस्थाएं

शाकुन्तल पत्र
शाकुन्तल
निर्भरता
कामाक्षी

15

(c) पताकास्थानक ।

10

5. निम्नलिखित को सोदाहरण परिभाषित करते हुए उनकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए :
Define the following with examples, throw light on their special characteristics :

- (a) महाकाव्य 15
(b) नायकभेद 15
(c) नाटिका । 10

खण्ड - ड/SECTION - D

6. (a) संस्कृत गीति काव्य के उद्भव एवं विकास पर एक निबन्ध लिखिए ।
Write an essay on origin and growth of Sanskrit Giti Kavya (संस्कृत गीति काव्य). 15
- (b) वेदाङ्ग से आप क्या समझते हैं ? वेदाङ्गों पर प्रकाश डालिए ।
What do you mean by Vedanga ? Highlight a description on the Vedangas. 15
- (c) महाभारत एक काव्य है - सिद्ध कीजिए ।
Prove that महाभारत is an epic. 10
7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
Write short notes on the following:
- (a) पञ्चतन्त्र 15
(b) वासवदत्ता 15
(c) महाकवि माघ. 10

खण्ड - इ/SECTION - E

8. अधोलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :
Translate the following into Sanskrit : 40

व्यायाम स्वास्थ्य का साधन है । नित्य व्यायाम करने का अभ्यास करना चाहिए । प्रातःकाल खुले स्थान तथा स्वच्छ वायु में व्यायाम करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है । व्यायाम करने से व्यक्ति बीमार नहीं पड़ता है । शरीर में रोगादि प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि होती है । व्यायाम से जीवन में वृद्धावस्था का अनुभव नहीं होता है । व्यायाम के द्वारा मनोरञ्जन भी होता है और शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है । अतः प्रत्येक व्यक्ति को व्यायाम करना चाहिए ।

अथवा/OR

भारत की कन्याओं को सावित्री की कथा से एक शिक्षात्मक प्रेरणा मिलती है । सावित्री ने सत्यवान के साथ विवाह करने का निश्चय कर लिया, तब महर्षि नारद ने सावित्री को बतलाया कि उसका होने वाला पति अल्पायु है । उसकी आयु केवल एक ही वर्ष है । ऋषिवर के इन वचनों से सावित्री को कोई संकोच अथवा शोक नहीं हुआ । सावित्री ने अपनी सत्यनिष्ठा तथा पतिव्रता धर्म से अपने पति को मृत्यु के मुख से लौटा लिया । यही भारतीय नारी का सतीत्व है जो कहीं पराजित नहीं होता है ।